दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर ■ वर्ष:02 ■ अंक: 342

ग्वालियर, सोमवार, 16 दिसम्बर 2019

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

न्यूज ट्रैक

अस्पताल की चौथी मंजिल से कूदा युवक, इलाज के दौरान तोड़ा दम

बैतूल (ए.)। मध्य प्रदेश में बैतूल जिले के जिला अस्पताल में रविवार सुबह उस वक्त हंगामा मच गया, जब वहां भर्ती एक युवक अस्पताल भवन के सबसे ऊपर वाले फ्लोर पर चढ़ गया. इस दौरान युवक ऊपर से कूदने की बार-बार धमकी देने लगा. कुछ ही देर में वहां पुलिस और नगर पालिका की टीम पहुंच गई, लेकिन इस दौरान युवक को नीचे उतारने के सारे प्रयास विफल रहे. हालांकि कुछ देर बाद जब पुलिस ने फिर से युवक को नीचे उतारने का प्रयास किया, तो युवक बिल्डिंग से करीब 45 फीट नीचे कूद गया. नीचे गिरते ही युवक बेहोश हो गया. युवक बिल्डिंग से जैसे ही नीचे कूदा, तो उसे उठाकर तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया. नीचे गिरने के कारण युवक को काफी चोट आई थी, जिस वजह से उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. युवक की पहचान मदन सिंह सिसोदिया के रूप में हुई है. युवक अत्यधिक शराब पीने का आदी था, साथ ही मानसिक तौर पर भी थोड़ा बीमार भी था.

मॉर्निंग वॉक के दौरान राजद नेता पर ताबड़तोड़ फायरिंग, हालत नाजुक

गोपालगंज (ए.)। बेखौफ अपराधियों ने राजद नेता को दिनदहाड़े गोली मार दी है. रविवार की सुबह अपराधियों ने राजद नेता मुन्ना श्रीवास्तव को उस समय निशाना बनाया, जब वह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे. इस दौरान पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने रेलवे स्टेशन के पास उनको गोली मार दी और फरार हो गए. घटना थावे रेलवे स्टेशन के समीप की है. मुन्ना श्रीवास्तव थावे के रहने वाले हैं और युवा राजद में जिला महासचिव भी हैं. बताया जाता है कि रविवार की सुबह करीब 5.30 बजे वह रोजाना की तरह थावे रेलवे स्टेशन की तरफ टहलने गए हुए थे. इसी दौरान अंधेरे का लाभ उठाकर कुछ अज्ञात अपराधियों ने उनपर चार राउंड फायरिंग कर दी. जानकारी के मुताबिक, मुन्ना श्रीवास्तव को एक गोली लगी है. गोली लगने के बाद राजद नेता वहीं जमीन पर गिर गए, जिन्हें बाद में स्थानीय लोगों की मदद से गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. बेहतर इलाज के लिए उन्हें गोरखपुर रेफर कर दिया गया है.

कांग्रेस का दोहरा चरित्र सबके सामने आ गया, शिवसेना के रुख पर अपनी स्थिति स्पष्ट करें: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को कहा कि शिवसेना ने नागरिक संसोधन बिल पर केंद्र सरकार का साथ दिया है और उसके बाद वह सावरकर को लेकर वह कांग्रेस पर सवाल उठा रही है। ऐसा में कांग्रेस का दोहरा चरित्र सबके सामने आ गया है। इन मामलों को लेकर कांग्रेस को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। मायावती ने रविवार सुबह लगातार तीन ट्विट किए। उन्होंने लिखा है,शिवसेना अपने मूल एजेण्डे पर अभी भी कायम है, इसलिए इन्होंने नागरिकता संशोधन बिल पर केन्द्र सरकार का साथ दिया और अब सावरकर को भी लेकर इनको कांग्रेस का रवैया बर्दाश्त नहीं है। दूसरे ट्विट में मायावती ने कहा कि इसके बावजूद भी कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र सरकार में शिवसेना के साथ अभी भी बनी हुई है तो यह सब कांग्रेस का दोहरा चरित्र नहीं है तो और क्या है? ायावती ने कहा कि कांग्रेस को इस मामले में अपनी स्थिति जरूर स्पष्ट करनी चाहिये। वरना यह सब इनकी अपनी पार्टी की कमजोरियों पर से जनता का ध्यान बांटने के लिए केवल कोरी नाटकबाजी ही मानी जायेगी।

हादसे का शिकार हुआ सेना का ट्रक आर्मी के 7 से 8 जवान घायल

जैसलमेर. राजस्थान के जैसलमेर जिले में रविवार सुबह सेना के ट्रक और टर्बो की भीषण टक्कर हो गई. इस दुर्घटना में करीब 7 से 8 सेना के जवानों के घायल होने की खबर है. हादसे का कारण घना कोहरा होना बताया जा रहा है. लोगों का कहना है कि घना कोहरा होने कारण यह हादसा हुआ. घायलों में कई जवानों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है. घटना जैसलमेर जिले के सोनू गांव के पास की है. सड़क हादसे में घायल हुए सभी जवानों को इलाज के लिए स्थानीय जवाहर अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

नागरिकता कानून: दिल्ली में प्रदर्शन हुआ हिंसक

तीन बसों में लगाई आग, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

नई दिल्ली। दिल्ली में संशोधित नागरिकता कानून का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों का रविवार को पुलिस के साथ संघर्ष हो गया और उन्होंने दक्षिण पूर्व दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में डीटीसी की कई बसों और एक अग्निशमन गाड़ी में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि इस हिंसक प्रदर्शन में एक सिपाही और दो दमकलकर्मी जख्मी हो गए। हालांकि, जामिया मिल्लिया छात्रों के समूह ने बयान जारी कर नागरिकता अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा से खुद को अलग किया। सरिता विहार में आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान ने अपने समर्थकों के साथ रास्ता जाम कर दिया। उनके इस प्रदर्शन की वजह से जामिया से लेकर कालिंदी कुंज तक जाम लग गया। प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के लिए पुलिस ने लाठी चार्ज किया है दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने कहा कि

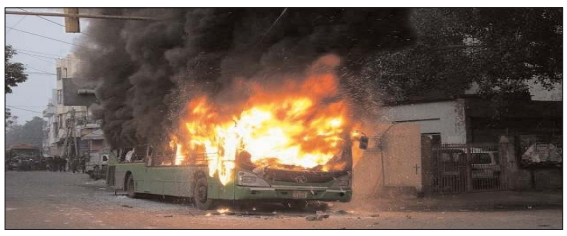

घटनास्थल पर दमकल की चार गाड़ियां भेजी गई हैं। प्रदर्शनकारियों की हिंसा में एक दमकल गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दो कर्मी जख्मी हो गए। कांग्रेस से संबद्ध नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सचिव सिमॉन फारूकी ने दावा किया कि प्रदर्शनकारी शांतिपूर्ण तरीके से मथुरा रोड पर बैठे थे तभी पुलिस ने उनमें से कुछ को परेशान करने का प्रयास किया जिसका उन्होंने विरोध किया। जामिया मिल्लिया इस्लामिया छात्रों के एक समूह ने कहा कि हिंसा और आगजनी से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाए कि स्थानीय तत्व प्रदर्शन में शामिल हो गए और उन्होंने इसे बाधित किया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन हिंसक हो जाने के कारण वे परिसर में लौट आए और परिसर में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि जब वे शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे थे तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। फारूकी ने कहा कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। एक छात्र ने दावा किया कि पुलिसकर्मियों द्वारा बल प्रयोग करने के बाद कुछ प्रदर्शनकारियों ने बसों में आग लगा दी और तोड़फोड़ की।

पायल रोहतगी को हिरासत में लिया गया विवादित कमेंट करने का है आरोप

नई दिल्ली। बिग बॉस एक्ट कंटेस्टेंट और एक्ट्रेस पायल रोहतगी अपने विवादित ट्वीट और वीडियो को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। इस बार वे राजस्थान में फाइल हुए केस के कारण सुर्खियों में हैं। दरअसल, मॉडल और एक्ट्रेस पायल रोहतगी को बूंदी पुलिस ने हिरासत में लिया है। एएनआई के मुताबिक एसपी ममता गुप्ता का कहना है कि पायल रोहतगी ने पूर्व प्रधानमंत्री पर विवादित टिप्पणी दी है जिसके बाद ये एक्शन लिया गया है। आपको बता दें कि पायल रोहतगी के खिलाफ पुलिस स्टेशन में केस भी दर्ज किया जा चुका है। टीवी के सबसे पॉपुलर रिएलिटी शो बिग बॉस सीजन 7 में पायल रोहतगी को एक कंटेस्टेंट के रूप में देखा गया था। इसके बाद इन्होंने कई फिल्मों, सीरियल और मॉडलिंग में किस्मत आजमाई लेकिन इतना नाम न कमा पाई। पायल रोहतगी इससे पहले भी कई बड़े विवादों से घिर चुकी हैं।

नागरिकता कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी

बीजेपी की सहयोगी असमगण परिषद

नई दिल्ली। नागरिकता कानून पर देश भर के कई हिस्सों में हो रहे प्रदर्शन के बीच बीजेपी के लिए अच्छी खबर नहीं है। असम में भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली सरकार में सहयोगी असम गण परिषद ने नागरिकता कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला लिया है। पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि सत्तारूढ़ भाजपा की सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) संशोधित नागरिकता कानून को रद्द करने के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करेगा। बता दें कि असम समेत पूर्वोत्तर राज्यों में नागरिकता संशोधन

कानून का विरोध हो रहा है। पार्टी के नेता दीपक दास ने कहा कि एजीपी आम आदमी की भावनाओं का सम्मान करती है जिन्हें चिंता है कि कानून से उनके अस्तित्व और पहचान को संकट पैदा हो जाएगा। राज्यसभा के पूर्व सदस्य दास ने पीटीआई से कहा, संशोधित कानून को वापस लेने के लिए हम कानूनी रास्ता अपनाएंगे क्योंकि असम के मूल निवासियों को चिंता है कि उनकी पहचान, भाषा को खतरा पैदा हो सकता है। सूत्रों ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करने के लिए दास के नेतृत्व में एजीपी का एक प्रतिनिधिमंडल शाम में दिल्ली रवाना होगा। बता दें कि इससे पहले असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने एक वीडियो संदेश के जरिए आम लोगों से असम में शांति की अपील की है। बता दें कि नागरिकता कानून का असम के साथ-साथ मेघालय, त्रिपुरा, बंगाल समेत देश के कई हिस्सों में जोरदार प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। यही वजह है कि आज सर्बानंद सोनोवाल की अगुआई में एक टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात करने वाली है। मुख्यमंत्री सोनोवाल ने अपना वीडियो संदेश में कहा है कि -हम सभी वास्तविक भारतीय नागरिकों और असम के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं, मैं समाज के सभी वर्गों से आह्वान करता हूं कि वे ऐसे तत्वों को विफल करें जो नागरिकता संशोधन विधेयक पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और हिंसा में लिप्त हैं, चलिए हम सब मिलकर असम की विकास यात्रा जारी रखते हैं। गौरतलब है कि संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों के मद्देनजर गुवाहाटी और डिब्रूगढ़ जिले के कुछ हिस्सों में लगाए गए कर्फ्यू में रविवार को कुछ घंटों के लिए ढील दी गई। हालांकि, असम में 16 दिसंबर तक इंटरनेट सेवाओं पर रोक है।

सावरकर पर कांग्रेस-शिवसेना आमने-सामने

मुंबई। सावरकर को लेकर राहुल गांधी के बयान के बाद सियासी घमासान जारी है। एक ओर जहां राहुल सावरकर वाले बयान को लेकर बीजेपी राहुल गांधी पर हमलावर है, वहीं महाराष्ट्र सरकार में सहयोगी शिवसेना भी उनके बयान से नाराज दिख रही है। यही वजह है कि शनिवार को राहुल गांधी के बयान के तुरंत बाद शिवसेना नेता संजय राउत ने नसीहत दी कि राहुल गांधी को सावरकर का अपमान नहीं करना चाहिए। सावरकर मुद्दे पर बहस के बीच अब शरद पवार के भतीजे अजीत पवार की प्रतिक्रिया आई है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, जब एनसीपी नेता अजीत पवार से यह पूछा गया कि क्या सावरकर मुद्दा महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी यानी एनसीपी-कांग्रेस-शिवसेना गठबंधन पर असर डालेगा तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि उद्धव जी, सोनिया जी और पवार साहेब परिपक्व लोग हैं और वह सही निर्णय लेंगे।

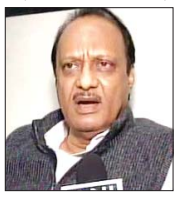

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने शनिवार को भारत बचाओ रैली में भारतीय जनता पार्टी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा था कि मैं राहुल सावरकर नहीं हूं, मैं राहुल गांधी हूं और मैं माफी नहीं मांगूंगा। दरअसल, बीजेपी राहुल गांधी से रेप इन इंडिया वाले बयान को लेकर माफी की मांग कर रही है, मगर राहुल गांधी अपने बयान पर अड़े हुए हैं। शिवसेना सांसद संजय राउत ने राहुल गांधी के सावरकर वाले बयान को लेकर कहा था कि हम महात्मा गांधी और पंडित नेहरू का सम्मान करते हैं। कृपया वीर सावरकर का अपमान न करें। जो समझदार होता है उसे ज्यादा बताने कि जरूरत नहीं होती।

धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को लेकर यूएन ने पाक को लगाई फटकार

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान में लगातार अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे अत्याचार को लेकर यूएन ने इमरान सरकार को फटकार लगाई है। यूनाइटेड नेशंस कमिशन ऑन दे स्टेट्स ऑफ वीमन (सीएसडब्ल्यू) ने कहा कि पाकिस्तान की तहरीक-ए-इंसाफ सरकार में कट्टरपंथी लोग सशक्त हुए हैं जो अल्पसंख्यक धार्मिक वर्गों हमले कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र इकॉनोमिक एंड सोशल काउंसिल के एक कमिशन सीएसडब्ल्यू की तरफ से 47 पन्ने की एक रिपोर्ट- 'पाकिस्तान रीजियस फ्रीडम अंडर अटैक' जारी की गई थी। इसमें इस्लामिक ग्रुप की तरफ से न सिर्फ धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले बल्कि इसका राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश पर गहरी चिंता जताई गई। आयोग ने कहा कि इस्लामिक राष्ट्र में ईसाई और हिन्दू समुदाय खासकर महिलाएं और लड़कियां काफी असुरक्षित हो गई हैं।

प्याज ने गिराया नॉनवेज का बाजार

30 से 40प्रतिशत घटी मटन और चिकन की बिक्री

जमशेदपुर, एजेंसी। बढ़ी कीमतों के कारण रसोई के साथ पोहा, कचौरी, गोलगप्पे से प्याज पूरी तरह गायब हो चुका है। साथ ही नॉनवेज के बाजार में भी काफी गिरावट आई है। लगभग 30 से 40 प्रतिशत तक चिकेन और मटन की बिक्री कम हो गई है। शहर के कारोबारियों ने स्वीकार किया कि प्याज के चलते चिकेन और मटन की बिक्री में कमी आई है। चिकेन और मटन का अधिकतर बाजार शादी समारोह पर टिका था, जिसके चलते थोड़े बहुत मटन और चिकेन के सप्लाई आर्डर मिल रहे थे। चिकेन और मटन के कारोबारी अनीस खान के अनुसार, शहर के बाजार में आम दिनों में 75 हजार किलो चिकेन और 45 हजार किलो मटन की खपत है, लेकिन फिलहाल 55 हजार किलो चिकेन और 30 हजार किलो मटन की खपत हो गई है। अब खरमास शुरू होने के बाद चिकेन और मटन पर और प्रभाव दिखाई देगा।

नए साल में प्याज की कीमत घटने के संकेत-वहीं, जमशेदपुर में अफगानिस्तान और तुर्की से आया प्याज भी लोगों को राहत नहीं दे पा रहा है।

अनशन पर बैठीं दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष

स्वाति मालीवाल की तबीयत बिगड़ी, एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया

नई दिल्ली। बलात्कारियों को फांसी की सजा की मांग को लेकर पिछले 13 दिनों से राजघाट पर आमरण अनशन पर बैठीं दिल्ली महिला की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल की तबीयत बिगड़ गई और वे रविवार की सुबह बेहोश हो गई। जिसके बाद स्वाति मालीवाल को एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया है। समाचार एजेंसी वार्ता के मुताबिक, डीसीडब्ल्यू ने इस खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि सुश्री मालीवाल को एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक मालीवाल सुबह करीब सात बजे बेहोश हुयीं। अनशन के 12वें दिन शनिवार को मालीवाल के स्वास्थ्य में निरंतर आती गिरावट को देख डाक्टरों ने उन्हें तुरंत अनशन समाप्त करने की सलाह दी थी।

डाक्टरों के मुताबिक मालीवाल का यूरिक एसिड खतरनाक स्तर में पहुंच गया है। मालीवाल का वजन इस दौरान सात से आठ किलो वजन कम हो गया है। उनका रक्तचाप और शुगर का स्तर भी सामान्य से काफी कम हो गया है। उनकी जांच करने के बाद डाक्टरों ने उन्हें अनशन तुरंत खत्म करने की सलाह दी। बलात्कारियों को फांसी की सजा की मांग को लेकर पिछले 13 दिनों से राजघाट पर आमरण अनशन पर बैठीं दिल्ली महिला की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल की तबीयत बिगड़ गई और वे रविवार की सुबह बेहोश हो गई। जिसके बाद स्वाति मालीवाल को एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया है। मालीवाल का यूरिक एसिड का स्तर 10.1 है जो सामान्य से काफी अधिक है। यह काफी खतरनाक स्तर है और इससे कीडनी फेल हो सकती है। मालीवाल ने बलात्कारियों को फांसी की सजा देने का प्रावधान करने संबंधी दिशा विधेयक को आंध्र प्रदेश विधानसभा से पारित करने के लिए मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी को शनिवार को पत्र लिखकर बधाई भी दी।

इंटरनेशनल महिला शूटर ने खून से लिखा गृहमंत्री को खत, मेरे हाथों से हो निर्भया के गुनहगारों को फांसी

नई दिल्ली। इंटरनेशनल महिला शूटर वर्तिका सिंह ने खून से खत गृहमंत्री को लिखते हुए निर्भया के चारों दोषियों को एक महिला के हाथों फांसी देने की मांग की है। वर्तिका सिंह ने कहा- निर्भया केस के गुनहगारों को मेरी हाथ से फांसी होनी चाहिए। इससे देशभर में यह मैसेज जाएगा कि एक महिला भी फांसी दे सकती है। मैं चाहती हूं कि महिला अभिनेत्री, सांसद मेरा समर्थन करे। मैं उम्मीद करती हूं कि इससे समाज में बदलाव आएगा।

आईपीएस स्टेटस मैच करने के लिए पत्नी को छोड़कर

शादी करना चाहता था अधिकारी सरकार ने किया सस्पेंड

हैदराबाद। गृह मंत्रालय ने एक ट्रेनी आईपीएस अधिकारी की नियुक्ति को निलंबित कर दिया है, क्योंकि उस पर आरोप है कि वह अपने सेलेक्शन के बाद पत्नी को तलाक देने के लिए धमका रहा है। दरअसल गृह मंत्रालय ने भारतीय पुलिस सेवा के के. वी. महेश्वर रेड्डी की नियुक्ति को निलंबित कर दिया है, क्योंकि उसके खिलाफ इस बात की जांच चल रही है कि वह अपने सेलेक्शन के बाद पत्नी को तलाक के लिए धमका रहा है। आंध्र प्रदेश के कडपा के रहने वाले 28 वर्षीय के वी महेश्वर रेड्डी ने इस साल सीविल सर्विस की परीक्षा में 126वां रैंक हासिल की थी। इस साल अक्टूबर में अधिकारी के खिलाफ एससी, एसटी के तहत उत्पीड़न, आपराधिक धमकी और अत्याचार के लिए मुकदमा दर्ज किया गया था, जो कि उनकी पत्नी बीरुदुला भवानी (28) ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

नागरिकता कानून: हिंसक प्रदर्शन के बाद

पश्चिम बंगाल के पांच जिलों में इंटरनेट सेवा बंद

> नागरिकता कानून का असम के साथ-साथ मेघालय, त्रिपुरा, बंगाल समेत देश के कई हिस्सों में जोरदार प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। यही वजह है कि आज सर्बानंद सोनोवाल की अगुआई में एक टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात करने वाली है।
नागरिकता कानून का असम के साथ-साथ मेघालय, त्रिपुरा, बंगाल समेत देश के कई हिस्सों में जोरदार प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। यही वजह है कि आज सर्बानंद सोनोवाल की अगुआई में एक टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात करने वाली है।

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों के मद्देनजर पांच जिलों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गयी हैं। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार ने खासकर सोशल मीडिया पर अफवाहों और फर्जी खबरों पर रोक लगाने के लिए यह फैसला लिया गया है। जहां इंटरनेट सेवाएं निलंबित की गई है उसमें मालदा, मुर्शिदाबाद, हावड़ा, उत्तरी 24 परगना में और दक्षिणी 24 परगना के कई हिस्सों में इंटनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। अधिकारी ने कहा, बार-बार अनुरोध करने के बावजूद कुछ सांप्रदायकि शक्तियां हिंसक प्रदर्शन कर रही हैं। स्थिति के मद्देनजर प्रशासन ने राज्य के पांच जिलों में इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है।बता दें कि पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन हुए। हावड़ा-मुर्शिदाबाद में प्रदर्शनकारियों ने बसें, स्टेशन, दुकानें और टोल प्लाजा फूंक दी। मुर्शिदाबाद जिले के

कृष्णपुर स्टेशन पर भीड़ ने पांच खाली ट्रेनों को आग के हवाले कर दिया। लालगोला स्टेशन पर रेल पटरियों पर तोड़फोड़ की गई। जिले के सुती में, प्रदर्शनकारियों ने तीन सरकारी बसों में तोड़-फोड़ की और यात्रियों को जबरन बस से उतारकर एक बस को आग लगा दी।

पुलिस ने बताया कि सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने मुंबई और दिल्ली रोड को कोलकाता से जोड़ने वाले कोना एक्सप्रेसवे को जाम कर दिया और करीब 25 सार्वजनिक एवं निजी बसें फूंक दीं। मालदा और मुर्शिदाबाद में भी कई बसों को आग के हवाले कर दिया। मुर्शिदाबाद जिले में कुछ इलाकों में हालात अनियंत्रित होता देख पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

सम्पादकीय

निरर्थक याचिकाएं

सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या मामले में दाखिल की गईं सभी पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज कर उन लोगों को हतोत्साहित करने का ही काम किया है जो निहित स्वार्थों अथवा संकीर्ण राजनीतिक कारणों से इस संवेदनशील मसले को जीवित रखना चाह रहे थे। इस इरादे का संकेत इससे मिलता है कि सुप्रीम कोर्ट ने सभी 18 पुनर्विचार याचिकाओं की सुनवाई करते समय यह पाया कि उनमें ऐसा कुछ भी नहीं था, जिस पर नए सिरे से विचार किया जा सकता। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पुनर्विचार याचिका दायर करने का काम उन लोगों ने भी किया, जो मूल मामले में याची ही नहीं थे। यदि किसी मामले में मूल वादकारियों की तुलना में पुनर्विचार याचिकाएं कहीं अधिक लोगों द्वारा दाखिल की जाएं तो इससे यही पता चलता है कि किस तरह कुछ लोग अदालतों के सहारे अपनी राजनीतिक दुकान चलाने की कोशिश करते रहते हैं। हैरत नहीं कि अयोध्या मामले में पुनर्विचार याचिकाएं दाखिल करने वाले चुप बैठने के बजाय अन्य कानूनी विकल्पों पर विचार करते हुए नजर आएं। निस्संदेह ऐसा करना उनका अधिकार है, लेकिन किसी भी अधिकार का बेजा इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। चूंकि इस पर कोई रोक-टोक नहीं इसलिए सुप्रीम कोर्ट में अच्छी-खासी संख्या में गैरजरूरी याचिकाएं दाखिल होती रहती हैं। इस सिलसिले पर विराम लगाने की जरूरत है। अयोध्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ का फैसला केवल सदियों पुराने विवाद का पटाक्षेप करने वाला ही नहीं, बल्कि दोनों पक्षों को न्याय की अनुभूति कराने वाला भी रहा। इसी कारण इस फैसले को उन फैसलों में गिना गया जिनमें न्याय केवल होता ही नहीं है, बल्कि होते हुए दिखता भी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि संविधान पीठ के सभी पांचों न्यायाधीशों ने एकमत से अपना फैसला सुनाया। इसके बावजूद कुछ लोगों ने सर्वसम्मति से दिए गए इस फैसले को लेकर यह रेखांकित करना शुरू कर दिया कि सुप्रीम कोर्ट ने आस्था के आधार पर फैसला सुना दिया। इस दुष्प्रचार का मकसद राजनीतिक रोटियां सेंकना और लोगों की भावनाओं को भड़काना ही अधिक था। यह दुर्भाग्य है कि ऐसे लोगों ने इसकी अनदेखी करना ही पसंद किया कि देश ने इस फैसले को न केवल गरिमापूर्ण तरीके से स्वीकार किया, बल्कि शांति और सद्भाव का भी परिचय दिया। सार्वजनिक तौर पर न तो उत्साह का प्रदर्शन हुआ और न ही मायूसी का। ऐसी परिपक्वता कम ही देखने को मिलती है। बेहतर होता कि इसी परिपक्वता का परिचय वे भी देते, जो ज्यादा सोच-विचार के बगैर पुनर्विचार याचिकाएं दाखिल करने को तैयार हो गए।

जॉनसन की जीत

यूरोपीय यूनियन से अलग होने के झंझावातों से जूझते ब्रिटेन में लाभदायक ब्रेग्जिट डील के मुद्दे को लेकर हुए आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटी है। पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के नेतृत्व में लड़े गये इस चुनाव में 650 सीटों वाली संसद में पार्टी ने 364 सीटें जीती हैं। पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला है। उसे पिछली बार के मुकाबले 47 सीटें ज्यादा मिली हैं। लेबर पार्टी 203 सीटें लेकर दूसरे नंबर पर रही है। उसे अनिश्चितताओं के बीच कामगार तबके का समर्थन नहीं मिल पाया। निस्संदेह अब जॉनसन इस नये जनादेश के बूते ब्रिटेन को ब्रेग्जिट डील करवाकर यूरोपीय संघ से अलग कर सकेंगे। दरअसल, ब्रेग्जिट का मुद्दा ब्रिटेन के गले की फांस बन चुका है, जिसके चलते इस देश में लगातार राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है। यही वजह है कि पांच साल से भी कम समय में यह तीसरा चुनाव है। वहीं दूसरी ओर पिछले सौ साल में कड़ाके की ठंड में दिसंबर में होने वाला यह पहला चुनाव है। दरअसल, दिसंबर में लोग क्रिसमस और नये साल के उत्सवों की तैयारी में जुट जाते हैं। इस दौरान बर्फीले मौसम में सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। बहरहाल, अब बोरिस जॉनसन पर दबाव बढ़ गया है कि 31 जनवरी से पहले यूरोपीय यूनियन के साथ किसी लाभकारी समझौते के साथ डील करें। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में जनमत संग्रह में ब्रिटेन की 52 फीसदी जनता ने ब्रेग्जिट के समर्थन में मत दिया था, वहीं 48 फीसदी लोग यूरोपीय यूनियन के साथ बने रहने के पक्ष में थे। ब्रिटेन के सामान्य लोगों तथा कारोबारियों की मुख्य चिंता रही है कि यदि ब्रिटेन बिना किसी समझौते के यूरोपीय यूनियन को अलविदा कहता है तो ब्रिटेन की?अर्थव्यवस्था के लिए उसके घातक प्रभाव हो सकते हैं। दरअसल, गत अक्तूबर में सांसदों ने 12 दिसंबर को चुनाव कराने के पक्ष में वोट करके प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का समर्थन किया था। ये चुनाव समय से पहले कराये गये थे। इससे पहले सितंबर, 2019 में सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के बागी सांसदों ने विपक्ष का साथ देकर सरकार को मुश्किल में डाल दिया था। प्रधानमंत्री का कहना था कि कोई समझौता हो या न हो ब्रिटेन 31 अक्तूबर तक यूरोपीय यूनियन से अलग हो जायेगा जबकि संसद चाहती थी कि किसी समझौते के साथ ही ब्रिटेन यूरोपीय संघ से अलग हो। इसके बाद बोरिस जॉनसन समय से पहले चुनाव कराने के लिये संसद में प्रस्ताव लाये थे। दरअसल, ब्रेग्जिट का मुद्दा ब्रिटेन की राजनीति में उथल-पुथल मचाये हुए है। जनमत संग्रह के परिणामों के बाद सभी राजनीतिक दल इसके नतीजों के साथ चलने को बाध्य हैं। उनको लगता है कि इसे नकारने को जनतंत्र स्वीकार नहीं करेगा। यह भी हकीकत है कि यूरोप में जो दक्षिणपंथ और राष्ट्रवाद की लहर चली है, ब्रिटेन के लोगों ने उसी भावना में बहते हुए ब्रेग्जिट का समर्थन किया था। अब धीरे-धीरे यह साफ हो रहा है कि इसके नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। हानिकारक परिणाम सामने आने भी लगे हैं, अब तक ब्रिटेन की जीडीपी में एक प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। एक अनुमान है कि एक से डेढ़ लाख तक नौकरियां भी जा सकती हैं। वहीं यूरोपीय यूनियन की सुविधाओं के मद्देनजर जो उद्योग ब्रिटेन आये थे, वे भी अपने फैसलों की समीक्षा कर सकते हैं। ब्रिटेन के लिये संकट नॉर्दर्न आयरलैंड को लेकर भी है। जहां नॉर्दर्न आयरलैंड ब्रेग्जिट के चलते ब्रिटेन के साथ रहेगा, वहीं आयरलैंड एक स्वतंत्र देश है। चिंता इस बात को लेकर है कि एक द्वीप के इन दो देशों में अलग-अलग अर्थव्यवस्थाएं कैसे चलेंगी। इन दोनों आयरलैंड के बीच कोई हार्ड बॉर्डर नहीं है, जिसके चलते अब तक लोगों की आवाजाही व सामान ले जाने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। निश्चय ही आने वाले दिनों में बोरिस जॉनसन को ऐसी तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

जनमत की अवहेलना का जनतंत्र

विश्वनाथ सचदेव

चुनाव जनतंत्र की सफलता की कसौटी भी है और मतदाता के विवेक की परीक्षा भी। पिछले सात दशक में जिस तरह हमारे देश में समय पर और कुल मिलाकर शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव होते रहे हैं, सरकारें बनती-बदलती रही हैं, उस पर हम संतोष भी कर सकते हैं। पर इस बात को भी ध्यान में रखा जाना ज़रूरी है कि जनतंत्र का मतलब सिर्फ चुनाव ही नहीं होता, जनतंत्र चुनावों से बढ़कर कुछ और भी है। यही 'कुछ और' हमारे जनतंत्र को महत्वपूर्ण और सार्थक बनाता है। इस 'कुछ और' का मतलब मतदाता की जागरूकता और राजनीतिक दलों और नेताओं द्वारा मतदाता को उचित एवं समुचित सम्मान देना है। लेकिन जिस तरह का राजनीतिक माहौल आज देश में बना है, कहना चाहिए, बनाया जा रहा है, उसमें दिखाई यह दे रहा है कि या तो हमारे राजनीतिक दल हमारे मतदाता को विवेकहीन मानते हैं, या फिर इतना भोला कि उसे बरगलाया जा सकता है।

पिछले आम चुनाव में मतदाता ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए को शानदार अभूतपूर्व समर्थन दिया था। पहले की एनडीए सरकार की उपलब्धियों का भी इसमें निश्चित योगदान रहा होगा और यह भी स्वीकारना होगा कि मतदाता को चुनावी वादे पूरे करने का भरोसा दिलाने में भी भाजपा सफल रही होगी। लेकिन इस शानदार विजय के बाद जिस तरह के संयत और गरिमापूर्ण व्यवहार की अपेक्षा मतदाता को थी, उसका अभाव उसे जल्दी ही दिखने लगा। आम चुनावों के बाद हुए राज्यों के चुनावों में सरकारी पक्ष और विपक्ष, दोनों, ने मतदाता के प्रति वह सम्मान दिखाना ज़रूरी नहीं समझा, जिसका मतदाता अधिकारी होता है। इस दौरान एक के बाद दूसरे राज्य में चुनाव होते रहे और हमारी सारी राजनीति चुनावी मूड या मोड में ही रही। वादों की बरसात और दावों की दुहाई में हमारी सारी राजनीति जैसे डूबी रही। राजनीतिक दल यह मानते रहे कि मतदाता को बहलाना मुश्किल नहीं है। पहले हरियाणा में चुनाव हुए। फिर महाराष्ट्र में हुए। अब झारखंड में और इसके बाद फरवरी के प्रारंभ में ही दिल्ली में चुनाव होंगे। इसी बीच कर्नाटक में हुआ पंद्रह सीटों वाला उपचुनाव भी हमने देखा। क्या हुआ इन चुनावों में? क्या मतदाता ने स्वयं को अधिक ताकतवर होता हुआ अनुभव किया? क्या सत्ता के मोह से हमारे राजनीतिक दल अपने आप को कुछ बचा पाये? क्या मतदाता की भावनाओं का सम्मान हुआ? यदि नहीं, तो हम यह कैसे मान लें कि हमारा जनतंत्र मज़बूत हो रहा है?

हरियाणा के चुनावों से शुरू करें। वहां मतदाता ने भाजपा की खट्टर सरकार को निर्णायक बहुमत नहीं मिला। दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी ने चुनाव भाजपा का विरोध करते हुए लड़ा था, पर रातोंरात वह भाजपा की समर्थक पार्टी बन गयी। चुनाव में मतदाता ने भाजपा को समर्थन नहीं दिया था। चौटाला की पार्टी को इसीलिए वोट मिले थे कि वह खट्टर के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का विकल्प देने की बात कर रही थी। लेकिन मतदाता को अंगूठा दिखाते हुए खट्टर को समर्थन देकर दुष्यंत के दल ने मिली-जुली सरकार बना ली। दुष्यंत के पिता अजय चौटाला को रातोंरात जेल से रिहाई भी मिल गयी। दुष्यंत और खट्टर ने सौदेबाजी पर किसी प्रकार का पर्दा डालने की ज़रूरत भी नहीं समझी। मतदाता क्या सोचेगा, यह बात तो हमारे राजनीतिक दलों के लिए कुछ माने ही नहीं रखती।

महाराष्ट्र में भी मतदाता के अपमान और अवहेलना की यही कहानी दोहरायी गयी। यहां भाजपा और शिवसेना के गठबंधन को मतदाता ने स्पष्ट बहुमत दिया था। इसी गठबंधन की सरकार बननी चाहिए थी। पर हुआ क्या? पहले भाजपा के मुख्यमंत्री पद के दावेदार फड़नवीस ने राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता अजित पवार का दामन थामा और फिर नाटकीय परिवर्तन में शिवसेना ने शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी और कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर राज्य में सरकार बना ली। अर्थात? किसी भी राजनीतिक दल को मतदाता की राय से जैसे कोई मतलब ही नहीं है। कठोर हैं यह शब्द पर कहना पड़ता है कि हमारे राजनीतिक दल या तो मतदाता को अपनी जेब में समझते हैं या यह मानते हैं कि मतदाता जाए भाड़ में! मतदाताओं के प्रति राजनेताओं और राजनीतिक दलों का यह रुख कुल मिलाकर जनतांत्रिक मूल्यों और भावनाओं का अपमान ही है। मज़े की बात यह है कि कुर्सी के इस किस्से में सारे राजनीतिक दल दुहाई मतदाता के हितों की ही देते हैं। हरियाणा और महाराष्ट्र दोनों जगह कहा यही गया कि राज्य की जनता पर फिर से चुनाव का बोझ न पड़े इसलिए यह राजनीतिक समझौते किये गये हैं। इससे पहले कश्मीर में भी भाजपा और महबूबा मुफ्ती की पार्टी ने यही कहकर बेमेल गठबंधन किया था। परिणाम हमारे सामने है। अब भाजपा शिवसेना पर आरोप लगा रही है, उसने बेमेल गठबंधन किया है। क्या मतदाता को यह पूछने का अधिकार नहीं है कि उसे मुट्ठी में क्यों समझा जाता है?

कर्नाटक के उपचुनावों की बात भी कर ली जाये। वहां पंद्रह दलबदलुओं को भाजपा ने इस आश्वासन के साथ अपना उम्मीदवार बनाया कि वे जीत गये तो उन्हें मंत्री बनाया जायेगा। इनमें से बारह दलबदलू भाजपा के टिकट पर चुनाव जीत गये हैं। ये सब दलबदलू कांग्रेस और जेडीएस से भाजपा के पाले में आये हैं। प्रधानमंत्री ने इस चुनाव-परिणाम को कर्नाटक के मतदाता द्वारा कांग्रेस को सबक सिखाना बताया है और यह भी कहा है कि जो भी जनादेश के खिलाफ जायेगा जनता उसे सज़ा देगी। पूछा जाना चाहिए कि हरियाणा में जनादेश के खिलाफ जाते समय भाजपा को 'सज़ा' का डर क्यों नहीं लगा?

उत्तर यही है कि हमारे राजनीतिक दल मतदाता को बरगलाने लायक मानते हैं। मानते हैं कि मतदाता को प्रलोभन देकर खरीदा जा सकता है। यह धारणा जनतंत्र का अपमान है। और यह स्थिति जनतंत्र की असफलता का संकेत है। भावनात्मक मुद्दे उछालकर सच्चाई को परदे में रखने की राजनीति सत्ता तक पहुंचने में मददगार हो सकती है, पर जनतांत्रिक मूल्यों का तकाज़ा है कि मतदाता को खिलौना न समझा जाये, उसके निर्णय का सम्मान किया जाये। यहीं, मतदाता को भी अपने विवेक पर भरोसा करने की आवश्यकता है। क्यों वह सत्ता की भूख को नहीं पहचानता? क्यों वह अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से पूछता नहीं कि उसकी अवहेलना का अधिकार उन्हें किसने दिया है? यह सबको याद रखना होगा कि स्वतंत्र और सशक्त मतदाता ही जनतंत्र की ताकत होता है, जनतंत्र की सफलता की कसौटी भी।

काला रंग

मै काला हूँ अपशगुन नहीं ,
मैं अशुभ नहीं मैं भी शुभ हूँ
ऑखो का काजल बन कर मैं,
ऑखो कीं शोभा बढ़ाता हूँ,
जब काले बादल बन जाउ,
घरती की प्यास बुझाता हूँ
मैं सात रंग में ना ही सही ,
फिर भी मैं रंग कहलाता हूँ,
सब रंगों से मिलकर मैं,
मैं ही काला बन जाता हूँ।
सूरज कीं किरणों का प्यारा,
ग्रंथों को मेरे ही रंग से ,
लिखकर ज्ञान सिखाता मैं, मेरे ही
रंग पर लिखकर जो,
अक्षर का ज्ञान सिखाता मैं,
बनकर काला भँवरा भी,
फूलों पर गुनगुनाता मैं,
काली कोयल फिर गीत सुनाती,
श्याम वर्ण बन जाता मैं
काले मोती बन माला मैं,
मंगल का सूत्र बनाता मैं,
दूल्हन के गले सजकर मैं,
उसे अमर सुहाग बनाता मैं ,
देवो की काया पे दिखता,
काली का रूप धराता मैं
अधिवक्ता मुझको धारण कर,
न्यायालय में न्याय सुनता जो
बन भोर किरण सुबहा आती,
अंधकार बन के छिप जाता मैं ।
मैं रंग बना हूँ खुशियों का ,
जल दीप उजाला लाता मैं।।

राधा शर्मा
इंदौर मप्र

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ

सतना। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला न्यायालय सहित जिले की सभी तहसीलों में शनिवार को नेशनल लोक अदालत आयोजित की गई। जिला न्यायालय परिसर स्थित एडीआर भवन में आयोजित नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री आर.के. सोनी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक श्री रियाज इकबाल, विशेष न्यायाधीश श्री अजीत सिंह, विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री डी.पी. मिश्रा, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री राजबहादुर सिंह सहित न्यायाधीशगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं अधिवक्तागण उपस्थित थे।

गिरगिट

गिरगिट देखो निकल पड़ा अपना रंग बदलने,
परायो को दिखाने अपना और अपनों को छलने,
शान बड़ी है चाल में इसकी और चमक चेहरे में,
ठुमक ठुमक के चलता चाल,लगता खूब मटकने,
आँखों में मिठाश है भरी पर मुँह से आग उगलता,
लगता तुमको अपना पर हर डाल पर रंग बदलता,
फितरत है ऐसी है इसकी , हर पल रूप बदलना,
कभी नही है किसी का,बस इसका काम है छलना,
हुआ नही और ना ही होगा कभी किसी का अपना,
मक्कारो का तो हमेशा काम है पीठ पीछे छुरा घोपना।

नीरज त्यागी
ग़ाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश)
मोबाइल 09582488698

प्याज के संकट से उपजी बेचैनी

कच्चा प्याज अगर चार टुकड़ों में छुरी से काटा या हथेली से तोड़ा जाए तो नमक-मिर्च के साथ रोटी का जो संग करता है, उसका क्या बयान करें! चारों हिस्से प्याजी-स्वाद के, उत्तर-दक्षिण-पूरब-पश्चिम बनकर अपने निखार को हमारे हवाले कर देते हैं। रूखी-सूखी हो रोटी, या फिर फूला हुआ गरम फुल्का, बाजरे के आटे के साथ मिले गेहूं के आटे से बनी हो, या फिर मकई की हो, प्याज अगर उसको मिल जाए तो वाह.. रोटी रोटी ना रहकर कुछ और ही बन जाती है। वह एक पकवान नहीं, अनुभव बन जाती है।

%आप कुछ अपने ही स्वादोल्लास में बह गए हैं, बाबूजी, पाठक मुझसे कह सकते हैं। %ठीक है, प्याज काफी स्वादिष्ट चीज है, लेकिन आप उसे कुछ जियादह ही, उसकी औकात से ऊपर चढ़ा रहे हैं।

मैं कुबूल करता हूं, लेकिन प्याज की खूबियों पर कुछ क्षण और बिताना चाहता हूं। %अनुभव कहा मैंने। कैसा अनुभव?

कनक या गेहूं में धरती की महक होती है, प्याज में जड़ी-बूटियों का सार। दोनों का मिश्रण खेती और बागवानी का पूरक बन जाता है। और फिर उन पर नमक का छिड़काव...आह, कृषि पर खनिज की इनायत। ऊपर से लाल मिर्च की झीनी परत, आह-आह, इनायत पर मेहरबानी! अगर और भी शौक करना हो तो प्याज के चार हिस्सों को सिरका (विनेगर) मिल जाए, उसमें कुछ भीगने और भिगोने के लिए, तो फिर बात ही कुछ और हो जाती है। प्याज पर एक लालिमा आ जाती है, जैसे कि उसको कुछ शरम लगी हो खुद की खूबियों पर, खुद की खूबसूरतियों पर। और फिर वह कुछ नर्म होकर जल्द रोटी का स्पर्श चाहता है, उसकी लपेट में गुम हो जाना चाहता है।

कच्चे प्याज की बात करी है मैंने। प्याज पकने पर भी हर पकवान की जान बन जाता है। उसकी ऊर्जा, उसकी शान। और प्याज की %तबीयत को देखें = खुद को नगण्य कर, अपने अस्तित्व को पके खाने में घोलकर, खुद को अदृश्य बनाकर वह सिर्फ अपना स्वाद, अपनी महक उस पर न्यौछावर कर देता है। दक्षिणी सांभर में तो प्याज खूब जंचता है।

गरीब की रसोई में कच्चा-रूप, रईस की रसोई में पका हुआ प्याज। यानी प्याज सबका दोस्त है, हर थाली का बंधु। प्याज हर इंसान की जेब के अनुकूल होता है, हर कमाई के माकूल। उसे सस्ता भोजन कहा जा सकता है, लेकिन...%सामान्य दिनों में।

तब नहीं (जैसे कि अब) जब प्याज का दाम उछलता-कूदता जमीन से ऊपर आसमान तक पहुंच जाता है। असामयिक और भीषण वर्षा की वजह से खासकर कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात में जहां प्याज का उत्पादन भारी है, प्याज की उपज को इतहा नुकसान पहुंचा है। उत्पादन कम हुआ, किसान की कमाई घटी और प्याज सौ रुपए किलो से ऊपर के दाम में बिकने लगा। इस दाम प्याज बिके तो कितने लोग उसे खरीद सकते हैं? और अगर उपभोक्ता की मदद के लिए सरकार प्याज के दाम पर नियंत्रण लगाती है तो प्याज-किसान तकलीफ में पड़ेगा। पहले से ही वह तकलीफ में है, क्योंकि प्याज के निर्यात पर लगाम लगाई हुई है। यह संकट बार-बार आता है। इस गंभीर मात्रा में 2013 में %प्याज-समस्या आई थी। राजनीति परखने वाले कहेंगे, उस संकट का असर 2014 के चुनाव पर पड़ा था। हो सकता है पड़ा हो, न पड़ा हो। वैसे यह हकीकत है कि कुछ सालों पहले, जब (दिवंगत) सुषमा स्वराज दिल्ली की मुख्यमंत्री थीं, तब प्याज के बढ़ते दामों ने ही उनकी सरकार को हराया था, जबकि भाजपा बाकी जगहों पर विजयी हुई थी। प्याज ऐसा-वैसा पदार्थ नहीं। मुझे यकीन है कि इस बार सरकार संकट को काबू में ले आएगी। हालांकि चुनौती जटिल है। चक्रव्यूह में फंसी है, इस बहु-चक्रित प्याज की दास्तान। ऐसे समय में हमारा, प्याज-रसिकों का, कर्तव्य क्या बनता है? प्याज के दाम जब तक सामान्य ना हो जाएं, तब तक क्या हम प्याज से दूर रहें? नहीं! कम मात्रा में सही, अपनी आर्थिक क्षमता के मुताबिक, थोड़ा-बहुत प्याज अपनी रसोई में लाते रहें, प्याज-संस्कृति के, प्याज दुकानदार के और प्याज किसान के हित में। गलती उन दोनों की नहीं है। गलती मौसम की बेपरवाही की है।

शर्मिला टैगोर ने बताया कैसी बहू हैं करीना कपूर खान

करीना कपूर खान का शो व्हॉट वुमन वॉन्ट का दूसरा सीजन शुरू हो चुका है और इस बार उनकी पहली मेहमान सास शर्मिला टैगोर हैं। शर्मिला टैगोर ने शो के पहले एपिसोड में बताया कि करीना कपूर खान आखिर बहू कैसी हैं? बहू के तौर पर वे खुद उन्हें कैसे देखती हैं? शर्मिला कहती हैं कि करीना की मुझे स्थिरता पसंद है। मुझे पसंद है जब वह अपने बिजी शिड्यूल के चलते मेरे टच में रहती हैं। अगर मैं उसे मैसेज भेजती हूं तो वह तुरंत उसका रिप्लाई करती हैं। वहीं सैफ और सोहा समय-समय पर ही रिप्लाई करते हैं। घर पर जब मैं आती हूं और कुछ भी खाने के लिए मांगती हूं तो तुम उसे पूरा करती हो। मुझे लगता है कि ये गुण तुम्हारे अंदर कपूर खानदान से आया है। शर्मिला आगे कहती हैं कि मुझे याद है जब 22 तारीख को टाइगर का निधन हुआ था और तुम्हारा जन्मदिन 21 को था। तब भी तुम परिवार के प्रति काफी सपोर्टिव रहीं। रिलेशनशिप के रूप में अगर बात करूं तो तुम अच्छी हो या यूं कहूं कि शानदार हो। आपको बता दें कि करीना कपूर आजकल अपनी आने वाली फिल्म 'गुड न्यूज' के प्रमोशन में व्यस्त हैं लेकिन रेडियो पॉडकास्ट के चलते भी वे सुर्खियां बटोर रही हैं।

सारा अली खान पाकिस्तान में मोस्ट पर्सनालिटी की लिस्ट में छठे नंबर पर

2018 में केदारनाथ फिल्म से डेब्यू करनेवाली सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान पाकिस्तान में छठी सबसे ज्यादा खोजे जाने वाली पर्सनलिटी के तौर पर उभरी हैं, जबकि वह भारत की टॉप 10 की लिस्ट में नहीं हैं। बुधवार को सर्च इंजन गूगल ने भारत की 2019 की पर्सनालिटीज की लिस्ट जारी की। इसमें अभिनंदन वर्थमान, लता मंगेशकर, विक्की कौशल, तारा सुतारिया, रानू मंडल, सिद्धार्थ शुक्ला और कोएना मित्रा के नाम थे। फिल्मों की सूची में कबीर सिंह, गली बॉय, उरी-द सर्जिकल स्ट्राइक, एवेंजर्स-एंडगेम और कैप्टन मार्वल जैसे नाम शामिल हैं। पाकिस्तान की लिस्ट की में सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान का नाम छठे सबसे ज्यादा खोजे जाने वाले पर्सनालिटी के तौर पर सामने आया हैं। जबकि सारा अली खान का नाम भारत की टॉप 10 लिस्ट में नहीं हैं। सारा अली खान ने अब तक दो फिल्में की हैं इसमें केदारनाथ और सिम्बा शामिल हैं केदारनाथ में वह सुशांत सिंह राजपूत और फिल्म सिंबा में रणवीर सिंह के साथ नजर आई थीं। सारा अली खान की एक बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है और दर्शक उनकी अगली फिल्म के लिए उत्सुक है। वह जल्द ही दो फिल्मों में दिखाई देंगी इसमें इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी आज कल और डेविड धवन की कुली नंबर 1 में नजर आएंगी। आजकल में वह कार्तिक आर्यन के साथ होंगी वहीं फिल्म कुली नंबर 1 में वह वष्ठ ण धवन के साथ होंगी। वह सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा चर्चित एक्ट्रेस हैं। फैन्स उन्हें जिम लुक में देखना पसंद करते हैं इसके अलावा वह कई वीडियो में भी नजर आती हैं। जो वायरल होते हैं। सारा के अलावा पाकिस्तान की 'पर्सनालिटी' की लिस्ट में गायक अदनान सामी का भी नाम हैं वहीं मूवीज़ और टीवी की सूची में बिग बॉस 13, कबीर सिंह, कैप्टन मार्वल, मोटू पतलू, गली बॉय शामिल थे। भारतीय फिल्मों को इन दिनों पाकिस्तान में प्रतिबंधित किया गया है लेकिन कबीर सिंह और गली बॉय टॉप ऑनलाइन सर्च में बने रहे।

एक नजर

दो सगी बहनों को पुलिस ने किया बरामद, बगैर बताए हुई थी घर से गायब

डबरा। बीते बुधवार-गुरुवार की रात्रि ग्राम करियावटी निवासी दो सगी नाबालिग बहनें संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई थीं। जिनकी परिजनों द्वारा खोजबीन की गई थी। लेकिन जानकारी न मिलने के कारण पुलिस में दो संदेहियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। शुक्रवार सुबह पुलिस ने दोनों बहनों को डबरा रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया। तथा मेडिकल कराकर माननीय न्यायालय में बयान कराए गए। बाद में जब दोनों किशोरियों को परिजनों को सौंपा गया तब परिजनों ने सुपुर्दगी लेने से इंकार कर दिया। जिसके चलते दोनों किशोरियों ग्वालियर के नारी निकेतन भेज दिया गया है तथा पुलिस परिजनों को समझाइश दे रही है। ऊर्जा डेस्क प्रभारी एसआई रीना शाक्य ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार-गुरुवार की रात ग्राम करियावटी से एक साढे १५ वर्ष एवं एक साढे १६ वर्ष नाबालिग किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई थीं। तब परिजनों ने संदेही रमन रावत एवं एक अज्ञात युवक के खिलाफ बहनों को बहला फुसलाकर ले जाने का मामला दर्ज कराया था। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने किशोरियों की खोजबीन के लिए मुखबिर तंत्र सक्रिय कर अंचल में पुलिस टीमों को रवाना किया। शुक्रवार सुबह एक मुखबिर द्वारा पुलिस को सूचना दी गई कि दो किशोरियां डबरा रेलवे स्टेशन पर खड़ी हुई हैं। जिनका हुलिया ग्राम करियावटी से गायब हुई किशोरियों की तरह है। जिसके चलते पुलिस ने रेलवे स्टेशन डबरा पर दविश दी। और दोनों किशोरियों को सकुशल बरामद कर लिया। बरामदगी उपरांत किशोरियों का मेडिकल कराया गया तथा धारा १६४ के तहत माननीय न्यायालय में बयान दर्ज कराए गए हैं। किशोरियों का कहना था कि वे अपनी मर्जी से घर से निकल गई थीं। वहीं बयान होने के बाद जब पुलिस द्वारा किशोरियों को परिजनों को सौंपने की कार्रवाई की गई तो परिजनों ने दोनों किशोरियों की सुपुर्दगी लेने से इंकार कर दिया। जिसके चलते भितरवार थाना पुलिस ने परिजनों को काफी समझाइश दी। लेकिन जब देर शाम तक परिजन नहीं माने तो दोनों किशोरियों को ग्वालियर के नारी निकेतन में शिफ्ट कर दिया गया है। तथा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी परिजनों को समझाइश देने में लगे हुए हैं।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

भिण्ड,ब्यूरो। शहर के वायपास रोड पर देहात पुलिस थाने के सामने चार पहिया वाहन की टक्कर से मोटर साईकिल पर सवार एक युवक की मौत हो गई, तथा एक अन्य घायल हो गया। जानकारी के अनुसार सुनील खान पुत्र पुरुषोत्तम खान उम्र 25 साल निवासी वार्ड क्रमांक पांच मेहगांव शुक्रवार की देर शाम अपने दोस्त करू के साथ मोटर साईकिल पर सवार होकर जा रहा था। जब वह शहर के वायपास रोड पर देहात पुलिस थाने के सामने से गुजरा तो अनियंत्रित गति एवं लापरवाह से आ रहे चार पहिया वाहन ने उसकी मोटर साईकिल में टक्कर मार दी, जिससे करू की घटना स्थल पर ही मौत हो गई और पुरुषोत्तम गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने करू को मृत घोषित कर दिया एवं पुरुषोत्तम को उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। थाना पुलिस ने अज्ञात चार पहिया वाहन के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी पतारसी शुरू कर दी है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर कर दी मारपीट

भिण्ड,ब्यूरो। अटेर थाना क्षेत्र के ग्राम चौम्हों में शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर पांच लोगों ने एक घर में घुसकर मारपीट कर दी। कट्टे का बट मारा और पत्थरबाजी की। जानकारी के अनुसार राकेश पुत्र पंचम सिंह निवासी ग्राम चौम्हों ने थाना पुलिस को बताया कि विगत शाम वह अपने घर के दरबाजे पर बैठा था। इसी दरम्यान गांव के ही निवासी मनोज, राजव सिंह, बंटी उर्फ देवेन्द्र, अंकित एवं रामवीर वहां आ पहुंचे। उन लोगों ने शराब पीने के लिए पैसों की मांग की। नहीं देने पर वे लोग गाली-गलौच करते हुए मारपीट पर उतर आए। अपने बचाव के लिए वह अपने घर में घुस गया। उसके पीछे उक्त लोग भी घर में घुस आए। मनोज हाथ में कट्टा लिए हुए था।

गोहद एवं रतवा से बाइक चोरी

भिण्ड,ब्यूरो। जिले के गोहद एवं मौ थाना क्षेत्रांतर्गत अलग-अलग स्थानों से अज्ञात चोर मोटर साइकिल चुरा ले गए। पुलिस ने फरियादियों की रिपोर्ट पर धारा 379 भादवि के तहत प्रकरण दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गोहद थाना क्षेत्रांतर्गत रिलायंस पेट्रोल पंप के पास मेन रोड गोहद हुई मोटर साइकिल चोरी के फरियादी पवन पुत्र शिवचरण लाल अग्रवाल उम्र 36 साल निवासी वार्ड क्र.छह कोट का कुआ गोहद ने पुलिस को बताया कि वह शनिवार को अपने किसी काम से रिलासंय पेट्रोल पंप के पास गया था जहां उसने अपनी मोटर साइकिल क्र. एम.पी.30 एम.जी.6404 पेट्रोल पंप के सामने के सामने खड़ी कर दी और अपना काम निपटाने चला गया। लेकिन जब वह बापिस लौटा तो उसकी मोटर साइकिल वहां नहीं मिली, जिसे कोई अज्ञात चोर चुरा ले गया। वहीं मौ थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम रतवा से हुई मोटर साइकिल चोरी के फरियादी देवीप्रसाद पुत्र रामदयाल कुशवाह उम्र 52 साल निवासी ग्राम गुहीसर ने पुलिस को बताया कि वह आठ दिसंबर को अपने किसी काम से ग्राम रतवा गया था जहां उसने अपनी मोटर साइकिल को घटोई बाबा तिवरिया के पास खड़ी कर दी और अपना काम निपटाने चला गया, लेकिन जब वह काम निपटाकर बापिस लौटा तो उसकी मोटर साइकिल वहां नहीं मिली, जिसे कोई अज्ञात चोर चुरा ले जा चुका था।

सत्संग की नाव में सतगुरु मल्लाह हो तो संसार सागर आनंद से पार हो जाता है: असंग देव

रिपोर्टर धीरज ओझा

बैराड़। मनुष्य के जीवन में यदि सत्संग की नाव में सदुरु मल्लाह हो तो जीवन रूपी संसार में गुरु के ज्ञान और विवेक के चप्पूओं से अज्ञान एवं मोह रूपी संसार सागर से पार होकर आनंदमय जीवन की ओर बढ़ सकता है। उक्त उद्गार क्षेत्रीय समिति द्वारा नगर परिषद बैराड़ के ठाकुर बाबा मंदिर प्रांगण में आयोजित तीन दिवसीय सुखद सत्संग कार्यक्रम के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय संत प्रखर वक्ता संत असंग देव ने कहे। संत ने उपस्थित हजारों की संख्या में महिला पुरुषों को बताया कि जीवन जीने के लिए मनुष्य को आपसी बैरभाव भूलकर आपसी प्रेम एवं भक्ति में जीवन जीना चाहिए जिससे मनुष्य को धन ऐश्वर्यऔर समृद्धि प्राप्त होगी। संत ने बताया कि हम देख रहे हैं कि समाज में आधुनिकता द्वारा संयुक्त परिवारों को तोड़ा जा रहा है जो गलत है संयुक्त परिवार ही प्रगति के सूचक हैं हमें छोटी-छोटी बातें भूल कर परिवार एवं समाज को सुंदर रखने के लिए एक सुर में चलने की आवश्यकता है सत्संग कार्यक्रम में पोहरी विधायक सुरेश राठौड़ आदि उपस्थित रहे।

स्व.मथुरा सिंह की स्मृति में

इंदिरा गाँधी स्टेडियम लहार में 20-20 क्रिकेट का टूर्नामेंट

अर्पित गुप्ता

लहार। सामान्य प्रशासन मंत्री डॉ गोविन्द सिंह के पिता स्वा मथुरा सिंह की स्मृति में इंदिरागांधी स्टेडियम लहार में 20- 20 क्रिकेट टूनामेंट के आज फाइनल के मैच का शुभारंभ मध्यप्रदेश शासन के सहकारिता एबम सामान्य प्रशासन मंत्री डॉक्टर गोविंद सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय शुरू किया फाइनल का पहला मैच लहार एबम रौन के बीच खेला गया इस मौके नगर परिषद अध्यक्ष छक्कूलाल वर्मा,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष सहकारी बैंक उदयप्रताप सिंह उर्फ राजाबाबू सेंगर, नगर परिषद उपाध्यक्ष नरेश सिंह चौहान, पी.डब्ल्यू डी एस. डी. ओ पी.के दुबेदी,श्रीकांत शुक्ला,कांग्रेस नेता राजू मॉलया, केशव सिंह दद्दू, थाना प्रभारी दिलीप सिंह यादव, पिंटू त्रिपाठी, सन्तोष गुर्जर, शिवप्रताप सिंह, मुसर्रत खान, रिंकी अग्रवाल,जानकी समाधिया,जितेंद सिंह,अनिल शर्मा, अरविंद यादव, बीरेंद्र दद्दू, सलीम खान, सतीश गुप्ता डिस्को, जितेंद कुशवाहा, रामशंकर पाण्डेय, श्यामू राजोरिया, महावीर सिंह,सुनील दत्त आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

लहार एबम रौन के बीच खेले गए फाइनल मैच के अंश

फाइनल का मैच लहार एबम रौन टीम के बीच खेला गया जिसमें सहकारी बैंक के जिलाध्यक्ष उदयप्रताप सिंह उर्फ राजाबाबू ने लहार के कप्तान हर्ष एबं रौन के कप्तान लक्ष्मण सिंह तोमर के बीच टॉस कराया जिसमे रौन टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया ओर बल्लेबाजी करते हुए अपने पूरे विकेट खोकर 16 ओवर 4 गेंद में मात्र 104 रन ही बना पाई ओर लहार टीम को जीत के लिए आसान सा 105 रन का लक्ष्य रक्खा वही लहार टीम ने अपनी पारी की शुरुआत करते हुए 16 ओवर में 105 रन बनाकर बिजयी घोषित लहार टीम की तरफ से शानदार प्रदर्शन करते हुए गोपाल सेंगर ने 34 रन बनाकर 3 बिकेट झटके ओर मैन ऑफ द मैच रहे जिन्हें मैच के मुख्यातिथि डॉक्टर गोविंद सिंह द्वारा गोपाल सेंगर को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी प्रदान की गई।

शानदार प्रदर्शन एबम बेहतरीन ब्यबस्था के लिये किया गया सम्मानित

शानदार प्रदर्शन के लिए लहार टीम को बिजयकप के साथ 51000 कि राशि देकर सम्मानित किया गया वही दूसरे स्थान पर रही रौन टीम को उपविजेता कप एबम 31000 की राशि देकर सम्मानित किया गया एबम बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शानदार बैटिंग के लिए तस्लीम खान मिहोना को एबम सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के लिए अनुज दीक्षित को एबम सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षण के लिए बाकिम सिंह राजावत को एबम अपनी अपनी ब्यबस्थाओ का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करने पर नगर परिषद अध्यक्ष छक्कूलाल वर्मा,नगर परिषद उपाध्यक्ष नरेश सिंह चौहान,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी,नगर परिषद से सुरेंद्र सिंह, पी.डब्ल्यू.डी एस.डी.ओ पी.के दुबेदी, समिति सदस्यों, सफाई कर्मचारियों को माननीय मंत्री महोदय एबम समिति के संरक्षक उदयप्रताप सिंह सेंगर एबम थाना प्रभारी दिलीप सिंह यादव द्वारा सम्मानित किया गया।

मुख्यातिथि को भेंट किया गया स्मृति चिन्ह

समिति के संरक्षण जिलाध्यक्ष सहकारी बैंक भिंड उदयप्रताप सिंह सेंगर एबम थाना प्रभारी दिलीप सिंह यादव द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

जन शिक्षण संस्थान भिण्ड द्वारा प्रतिभा सम्मान एवं प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

भिण्ड। जन शिक्षण संस्थान भिण्ड द्वारा ग्राम पंचायत दौनियापुरा विकास खण्ड मेहगांव में ग्राम पंचायत भवन परिसर में प्रशिक्षित प्रशिक्षणार्थी को प्रमाण-पत्र वितरण एवं प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम जन शिक्षण संस्थान भिण्ड के साथ ही संस्कार शिक्षा एवं सामाजिक प्रसार समिति के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में जन शिक्षण संस्थान के संचालक संजय राजौरिया द्वारा मुख्य अतिथि महोदय का स्वागत किया गया। जन शिक्षण संस्था के कार्यक्रम अधिकारी संतोष दुबे द्वारा कार्यक्रम की रूप रेखा रखते हुए उपस्थित लोगों को जन शिक्षण संस्था भिण्ड द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकादी दी गयी। कार्यक्रम में सरपंच महोदय द्वारा ग्राम वासियों को सरकार द्वारा विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं जैसे गोबर गैस प्लांट, स्वच्छता, मुद्रा

योजना, की जानकारी के साथ ही स्वरोजगार के लिये प्रोत्साहित करने के साथ ही पंचायत द्वारा पूर्ण सहयोग देने को कहा। कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान के सफल प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्रों का मुख्य अतिथि महोदय द्वारा वितरण किया गया। साथ ही सामाजिक संस्था संस्कार शिक्षा प्रसार समिति द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को शॉल एवं स्टॉल का वितरण सम्मान स्वरूप मुख्य अतिथि महोदय ग्राम सरपंच के हाथों से किया गया। जन शिक्षण संस्थान भिण्ड द्वारा सभी उपस्थित लोगों को स्वल्पहार करवाया गया। ग्राम पंचायत सरपंच द्वक्षरा जन शिक्षण संस्थान के अधिकारियों से भविष्य में ब्यूटीपार्लर व कम्प्यूटर प्रशिक्षण कोर्ष संचालन के लिये ग्रामीणों की ओर से मांग रखी गयी। एवं जन शिक्षण संस्थान भिण्ड द्वारा केन्द्र संचालन के लिये धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच सुघर सिंह नरवरिया, पंचायत सचिव राजकुमार शर्मा, जन शिक्षण संस्थान के संचालक संजय राजौरिया, कार्यक्रम अधिकारी संतोष दुबे, मनोज कुमार, सहायक कार्यक्रम अधिकारी, दिनेश शर्मा, राजकुमार शर्मा, कम्प्यूटर ऑपरेटर जितेन्द्र शर्मा एवं जन शिक्षण संस्थान के लेखापाल के साथ ही प्रशिक्षक दिनेश सिंह राजपूत, गजेन्द्र सिंह, शैलेन्द्र सिंह, नीतू नरबरिया, रबावली के साथ ही वर्तमान लाभार्थी छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

बीजेपी का खेत धरना नौटंकी विधायक राँठखेड़ा

रिपोर्टर धीरज ओझा

बैराड़। नगर परिषद क्षेत्र में एक पोहरी विधायक आये जिसमें पत्रकारों से चर्चा करते हुए भाजपा की खेत धरना प्रदर्शन के में बात कही गई जिसमें पोहरी विधायक द्वारा पत्रकारों को बताया गया कि किसान नहीं केबल नेता रहे मौजूद। विधायक राठखेड़ा बैराड़। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रत्येक मंडल पर आयोजित खेत धरना कार्यक्रम को नौटंकी निरूपित करते हुए पोहरी क्षेत्र के विधायक सुरेश राठ खेड़ा ने पत्रकार वार्ता में कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित धरने में किसान बिल्कुल भी नहीं आए केवल भाजपा के नेता मौजूद रहे थे। विधायक राठ खेड़ा ने बताया कि प्रदेश में यूरिया का कोई संकट नहीं है समय पर किसानों को बिजली मिल रही है परंतु भाजपा के नेता सत्ता सिधमुख होने के कारण माननीय मुख्यमंत्री, सिंधिया एवं कांग्रेस को बदनाम कर रही है। जनता इनकी साजिशों को अच्छी तरह समझती है।

क्षेत्र में हुई बूंदाबांदी से बढ़ी ठिठुरन

डबरा। बारिश होने से शुक्रवार सुबह से ही मौसम बदल गया। सुबह के समय कोहरा छाने के कारण दृश्यता कम रही और दिनभर बादल छाए रहे। धूप नहीं निकलने और सर्द हवा चलने के कारण पूरे दिन सर्दी महसूस हुई। अलसुबह चार बजे के बाद तेज ठंडी हवा चली और बारिश शुरू हो गई। जो दिन में कई बार हुई। हालांकि शहर क्षेत्र में हल्की बूंदाबांदी हुई लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में तेज बारिश होने की सूचनाएं मिलीं।

बारिश होने के कारण क्षेत्र में अचानक सर्दी में इजाफा हो गया और लोग गरम कपड़ों में लिपटे हुए नजर आए। बता दें कि दिन में धूप खिलने और तापमान सामान्य होने से ज्यादा सर्दी नहीं थी और केवल सुबह-शाम के वक्त ही ठंड पड रही थी। शुक्रवार को अधिकतम तापमान २४.०५ डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान १४.०८ डिग्री सेल्सियस रहा। बारिश से तापमान में गिरावट आएगी, जिससे सर्दी बढ़ेगी।

रबी की फसलों को मिलेगा फायदा

खेतों में इस समय गेहूं, जौ, चना व सरसों की फसलों की बुवाई हो चुकी है। बारिश होने से इन फसलों में सिचाई की कम जरूरत पड़ेगी और नमी रहने से फसलों को फायदा पहुंचेगा। हालांकि अभी अधिकांश खेतों में नमी होने के कारण खेत तैयार नहीं हो पाए है। और बारिश होने से गेहूं सहित अन्य फसलों की बुवाई प्रभावित हो रही है।

सरकारी दामों से ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं दुकानदार यूरिया खाद

डबरा। रबी फसल की बोवनी शुरू हो चुकी है। टेलपोर्सन क्षेत्र में गेहूं की फसल दस से पन्द्रह दिन की हो चुकी है। और अब इसमें यूरिया छिड़कने की बारी है। इसके अलावा टेलपोर्सन को छोड़कर भी कई स्थानों पर गेहूं की बोवनी हो चुकी है और कहीं-कहीं जारी है। गेहूं की फसल उगने के साथ ही इसमें पानी एवं यूरिया खाद का छिड़काव किया जाता है। जिसके लिए किसान सोसायटियों एवं खाद बीज भण्डार की दुकानों पर यूरिया खाद खरीदने के लिए पहुंचने लगे हैं। लेकिन कई दुकानदार यूरिया खाद को सरकारी रेट से अधिक दामों पर बेच रहे हैं। और किसानों को ठगा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार खेती को लागत का धंधा बनाने की बात हर मंच से राजनेता करते हैं, किंतु खेती घाटे का सौदा बनकर ही रह गई है। प्रा.तिक आपदा के कारण किसान हमेशा परेशान रहता है जब किसान अपनी उपज लेकर मंडी पहुंचता है तो फसलों के दाम कम हो जाते है। जहां किसान अपने आप को ठगा महसूस करता है, किंतु जब किसान को उर्वरक खाद की आवश्यकता होती है तब उर्वरकों का दाम आसमान छूने लगता है। ऐसी स्थिति में किसान परेशान होता जा रहा है। उस की आर्थिक हालत बद से बदतर होती जा रही है। अब रबी की फसल बोने के बाद यूरिया की आवश्यकता

है ऐसे में अब व्यापारियों द्वारा किसानों के साथ ठगी की जा रही है। किसानों को अब यूरिया की आवश्यकता है। ऐसे समय में यूरिया की कीमतें आसमान छू रही है आलम यह है कि शहर में स्थित दुकानों पर अलग अलग दाम पर उर्वरक बेचे जा रहे है। न ही मूल्य की सूची दुकानों पर चस्पा की गई है। ऐसे में किसानों को मनमाने दामों पर यूरिया खाद बेचा जा रहा है। जिससे एक बार फिर किसान व्यापारियों के हाथों ठगी का शिकार हो रहा है। वहीं व्यापारियों द्वारा खाद की कमी बताकर किसानों से २७० रुपए की यूरिया की बोरी ३२० से ३५० रुपए तक वसूले जा रहे है।

बिना लाइसेंस के संचालित हो रही दुकानों पर की जा रही ठगी

गौरतलब है कि शहर सहित ग्रामीण अंचल में करीब आधा सैकड़ा खाद बीज की दुकानें खुली हुई हैं। जिनमें से कुछ लोगों के पास से खाद बीज बेचने के लिए वैध लाइसेंस हैं। वहीं कई दुकानदार बिना लाइसेंस के खाद बीज का विक्रय कर रहे हैं। और इन्हीं दुकानों पर किसानों के साथ ठगी की जा रही है। दुकानदारों को मालूम में इस समय किसानों को यूरिया खाद की बेहद आवश्यकता है। और इसके लिए वे मनमाने दाम भी चुका सकते हैं। इस कारण दुकानदार मौके का फायदा उठाकर २७० रुपए की यूरिया की बोरी को ३२० से ३५० रुपए तक में बेच रहे हैं। जिससे किसानों में आक्रोश पनप रहा है।

इनका कहना

गुरुवार को गेहूं की फसल दस दिन की हो गई है। और अब इसमें पानी एवं यूरिया देने की बारी है। जिसके चलते यूरिया लेने शहर की दुकानों पर आया तो यहां सरकारी रेट से ५० से ८० रुपए ज्यादा लिए जा रहे हैं।

देवेश शर्मा
कृषक ग्राम पचौरा।

खाद बीज की दुकानों पर कई प्रकार के कीटनाशक बिक रहे हैं। जब इनका उपयोग किया तो इनसे एक भी कीट नहीं मरा। और मेरे पैसे फालतू चले गए। तब वे दुकानदार के पास आए तो उसका कहना था कि तुमने ठीक से इस्तेमाल नहीं किया होगा।

प्रेम तिवारी
कृषक ग्राम बिजकपुर।

ब्राह्मण महासभा ने की जन चेतना यात्रा का शुभारंभ

ग्वालियर। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा द्वारा रविवार फूलबाग चौराहे से जितेंद्र शर्मा के नेतत्व में जन चेतना यात्रा का शुभारंभ किया गया। यह यात्रा पूरे प्रदेश में नशा मुक्त समाज, बेटी सुरक्षा, बेटी बढ़ाओ बेटी बचाओ, पर्यावरण स्वच्छता के प्रति लोगो को जागरूक करते हुए प्रदेश के समस्त जिलो में जाएगी। 3ब्राह्मण महासभा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में ग्वालियर पुलिस अधीक्षक नवनीत भसीन रहे जिनके द्वारा इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर के प्रारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व उप पुलिस अधीक्षक केडी सोनकिया ने की। मुख्यअतिथि के रूप में सम्मलित होने के लिये आये पुलिस अधीक्षक नवनीत भसीन ने कहा कि ब्राह्मण महासभा द्वारा किये जा रहे समस्त कार्य सराहनीय है फिर चाहे वो प्रदेश व्यापी नशा मुक्ति अभियान हो, बेटी सुरक्षा के प्रति लोगो को जागरूक करने से हो या फिर पर्यावरण संरक्षण को लेकर के हो ब्राह्मण महासभा हमेशा ही ऐसे सराहनीय कार्य करता रहा है। मै समस्त टीम को बहुत बहुत साधुबाद देता है। आप सभी ऐसे ही कार्य करते रहे। ब्राह्मण महासभा द्वारा आयोजित इस यात्रा के शुभारंभ को पं जितेंद्र शर्मा द्वारा पूरे प्रदेश में जागरूकता संदेश देकर के 13 जनबरी को समापन किया जाएगा। इस यात्रा में प्रत्येक जिले के पदाधिकारी अपने संबंधित

के मौके पर ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पं केडी सोनकिया ने बताया कि यह यात्रा पूरे प्रदेश में एक जागरूकता संदेश के साथ चालू की गई है। इस यात्रा जिले में जितेंद्र शर्मा के साथ साथ लोगो को जागरूक करते हुए चलेगे। इस पूरी यात्रा को परशुराम सेना प्रदेश अध्यक्ष सतानंद शर्मा की देखरेख में किया जा रहा है। आपको बता दे कि अभी अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा द्वारा नशा मुक्ति प्रदेश व्यापी अभियान भी प्रदेश के चर्चित समाजसेवी व ब्राह्मण महासभा के वरिष्ठ पदाधिकारी पं कृष्णकांत तिवारी के द्वारा चलाया जा रहा है। जिसमे लोगो को नशा से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस कर्मक्रम के दौरान महेश मुदगल, वरिष्ठ पदाधिकारी पं रामवरण शास्त्री, पं राकेश नारायण आचार्य, पं सतानंद शर्मा, पं छुन्ना थापक, प्रदेश प्रवक्ता व मध्यप्रदेश अधिकारी कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष पं मनोज दुबे, समाजसेवी व प्रदेश संगठन महामन्त्री पं कृष्णकांत तिवारी, जिलाध्यक्ष पं गुड्डू तिवारी, परशुराम सेना जिलाअध्यक्ष पं अरविंद शर्मा, पं गौरव तिवारी, पं तरुण चतुर्वेदी, पं देवेश शर्मा, परशुराम सेना प्रवक्ता पं गौरव भार्गव, पं नितिन, पं शुभम, एवं संगठन व समाजसेवा से संबंधित समस्त भाई उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के समापन के दौरान पं गौरव भार्गव द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।।

ये प्याज मुझे दे दे ठाकुर

महंगी प्याज पर बने जोक्स वीडियो और शेरो शायरियाँ लोगों को हंसा रहे हैं

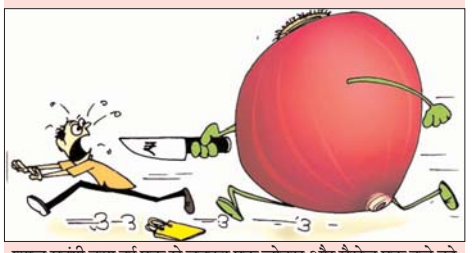

प्याज महंगी क्या हुई एक से बढ़कर एक जोक्स और मैसेज एक दूजे को सेंड होने लगे हैं प्याज अब लोगों के बीच हंसी ठिठौली का जरिया बन गई बड़े और बुजुर्ग सभी के बीच चर्चा के लिए प्याज की चर्चा अब एक मुद्दा बन चुका है घर पर मोहल्ले पर सैर करते समय मार्केट में सब्जी खरीदते समय महंगी प्याज पर ही बातें होती रहती है वहीं मोबाइल में इस समय सबसे बढ़िया जोक्स वीडियो और शेरों शायरी प्याज पर ही हो रही है खैर प्याज महंगी होकर रुला तो रही है लेकिन प्याज के जोक्स लोगों को हंसाने और खुश रखने का काम कर रहे हैं

वीडियो भी जानदार और शानदार

प्याज पर बने जोक्स तो गुदगुदा ही रहे हैं वहीं प्याज पर बने कॉमेडी वीडियो भी शानदार है एक महिला खाना खाते समय प्याज देखते हुए खाना खाती है वहीं एक अन्य वीडियो में एक व्यक्ति तिजोरी में प्याज रखता नजर आता है कहीं महिला प्याज की माला गलें में पहनी दिखाई पड़ती है

ऐसे है जोक्स

(1) बढ़ा दी है मेरी शान प्याज तुम हो बहुत महान
(2) एक दोस्त दूसरे दोस्त से मेरे पास गाड़ी है बंगला है रुपया है पैसा है बैंक बैलेंस है तुम्हारे पास क्या है दूसरा दोस्त मेरे पास प्याज है
(3) मां पड़ोसन से मेरे करण अर्जुन आएंगे-5 किलो प्याज लाएंगे
(4) भिखारी-आज भी मैं फेंके हुए पैसे नहीं उठाता प्याज हो तो बात अलग है
(5)दुकानदार-यें पांच किलो प्याज जब आदमी लेता है ना ग्राहक-तो आदमी उठता नहीं उठ जाता है
(6) चिनॉय सेठ -प्याज बच्चों के खेलने की चीज नहीं होती है कट जाए तो खून निकल आता है
(7)लगता है सब्जी मंडी में नए आए हो साहेब सारा शहर मुझे प्याज के नाम से जानता है
(8)सुना है प्याज बड़ा आदमी बन गया है आजकल एप्पल के साथ उठना बैठना है उसका
(9) प्रशासन के आदेश है कि कमजोर दिल वालों को प्याज दाम न बताएं-क्या आपकी सब्जी में प्याज हैं
(10) - 11राज्यों की सरकार मुझे ढूंढ रही है पर प्याज को खरीदना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है
(11)-ये प्याज मुझे दे दे ठाकुर- तुम्हें चारों तरफ से पुलिस ने घेर लिया है अपनी सारी प्याज कानून के हवाले कर दो
(12)जिनके घर प्याज के सलाद होते हैं वो बत्ती बुझा कर खाना खाते हैं।

संभाग में औकाफ माफी के मंदिरों एवं उससे लगी जमीनों पर अतिक्रमण करने वालो पर होगी कार्रवाई

ग्वालियर। शासकीय भूमि पर अतिक्रमण एवं अवैधानिक रूप से निर्माण करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। संभागीय आयुक्त एम बी ओझा ने ग्वालियर संभाग में शासकीय भूमियों पर अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई करने हेतु संभाग स्तर पर एक दल भी गठित किया है। उन्होंने संभाग के सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि औकाफ माफी की भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण पाया जाए तो सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। संभागीय आयुक्त एम बी ओझा ने निर्देश जारी कर कहा है कि संभाग के किसी भी जिले में औकाफ माफी के मंदिरों अथवा उससे लगी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण हो तो कोई भी व्यक्ति संभाग स्तर पर गठित सेल में शिकायत कर सकता है। इस सेल में संभागीय उपायुक्त राजस्व डॉ. भूपेन्द्र गोयल मोबा. 9131664456 एवं माफी ऑफीसर श्रीमती मनीषा कॉल मोबा. 7974436747 पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायतकर्ता का नाम गोपनीय रखा जायेगा। संभागीय आयुक्त एम बी ओझा ने सभी जिलों के कलेक्टरों से भी कहा है कि वे अपने-अपने जिले में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करें। इसके साथ ही औकाफ माफी के मंदिरों एवं उनसे लगी हुई भूमि पर भी अगर अतिक्रमण पाया जाए तो अतिक्रमण करने वाले के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई कर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराएं। संभागीय आयुक्त एम बी ओझा ने आम नागरिकों से भी कहा है कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण या भूमि पर निर्माण करने वालो की जानकारी हो तो जिला स्तर पर गठित दल अथवा संभाग स्तर पर दल को सूचित करें, ताकि अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जा सके।

जन उत्थान न्यास ने पांच परिवारों को दी

5-5 हजार रूपए की आर्थिक सहायता

ग्वालियर। गरीबों की मदद करने वाली षहर की सक्रिय सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास की ओर से पांच परिवारों को 5-5 हजार रूपये की आर्थिक सहायता न्यास के अध्यक्ष, वरिश्ठ भाजपा नेता एवं पार्शद डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने न्यास कार्यालय ललितपुर कॉलोनी में प्रदान की।

जन उत्थान न्यास द्वारा रफीक खान निवासी गली नं.1 गड्ढा वाला मौहल्ला नाकाचन्द्रवदनी, राममोहन श्रीवास्तव निवासी आर्यनगर गली नं.1 बारादरी मुरार, श्रीमती रजिया बानो निवासी हुजरात पुल चौराहा थौराठ की गोठ जिंसी नाला नं.2, षमषुद्धिन खान निवासी षेख दाऊद की तलैया कासम खां का बाड़ा के सामने दाल बाजार एवं षैलेन्द्र मक्कड़ निवासी जमुना दाई मौहल्ला रिसाला बाजार मुरार को 5-5 हजार रूपये की आर्थिक सहायता न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज न्यास कार्यालय ललितपुर कॉलोनी में प्रदान की। रफीक खान, राममोहन श्रीवास्तव, श्रीमती रजिया बानो, षमषुद्धिन खान को पुत्री

के विवाह के लिए एवं षैलेन्द्र मक्कड़ को कैंसर की बीमारी का ईलाज कराने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई। रफीक खान मजदूरी, राममोहन श्रीवास्तव प्रायवेट गार्ड, श्रीमती रजिया बानो सिलाई, षमषुद्धिन खान मजदूरी एवं षैलेन्द्र मक्कड़ हाथठेला चलाकर कर अपने परिवार का भरण-पोशण करते है। आगामी दिनों में रफीक खान, राममोहन श्रीवास्तव, श्रीमती रजिया बानो, षमषुद्धिन खान के यहां पुत्री का विवाह है एवं षैलेन्द्र मक्कड़ कैंसर की बीमारी से पीडित है। इन परिवारों की आर्थिक स्थिति भी ठीक नही है। इन चारों परिवारों ने आर्थिक मदद के लिए न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार से मिले और अपनी परेषानी से अवगत कराया। आर्थिक सहायता प्रदान करते हुये डॉ. सिकरवार ने कहा कि आपके लिए हरसंभव मदद न्यास द्वारा की जायेगी। डॉ. सिकरवार ने कहा कि न्यास का हर संभव प्रयास रहता है कि गरीब, पीडित, षोशित वर्ग की भलाई के लिए अग्रणी भूमिका निभाई जाये और उसमें न्यास भी सफल रहा है। जब भी इन वर्गों को चाहे पारिवारिक विवाह का कार्यक्रम हो, चाहे बीमार पीडित हो सभी वर्गों का सहयोग किया जा रहा है। हमारी संस्था गरीबों की भलाई करने में कभी पीछे नहीं रहती है। आर्थिक सहायता मिलने के बाद इन पांच परिवारों ने डॉ. सिकरवार को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार के साथ कोशाध्यक्ष अवध सिंह धाकरे, वार्ड क्रमांक 28 पार्शद पुरूशोत्तम टमोटिया, नीरज राठौर, सुरेष प्रजापति, राजेन्द्र राठी आदि मौजूद रहें।

ऑनलाइन ठगी से बचने के सुझाव पोर्टल पर आमंत्रित

ग्वालियर। ऑनलाइन ठगी से नागरिकों को बचाने के लिये द्वश्च.द्व4द्दश1.द्वठ्ठ पोर्टल पर ऑनलाइन कैम्पेन चलाया जा रहा है। ऑनलाइन ठगी से बचने के लिये राज्य साइबर पुलिस द्वारा नागरिकों से जागरूक और सावधान रहने की अपील की गई है। राज्य साइबर पुलिस को ऑनलाइन एडवरटाइजिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोगों से अलग-अलग ठगी करने संबंधी कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं । लगातार प्राप्त हो रही इन शिकायतों की वजह से राज्य साइबर पुलिस द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम और जागरूकता अभियान चलाये जा रहे हैं । नागरिक अब आम लोगों को ठगी का शिकार होने से बचाने के उपाय, महत्वपूर्ण सुझाव और विचार पोर्टल पर लॉग इन कर साझा कर सकते हैं।

एग्री व्यापार एप से सही कीमत मिलेगी किसानों को

ग्वालियर। किसानों को फसल की सही कीमत दिलाने के लिये विपणन संघ द्वारा एग्री व्यापार एप लांच किया गया है। किसानों के लिए ऐसी व्यवस्था का क्रियान्वयन किया जा रहा है जिससे किसान अपनी गुणवत्ता उपज की जानकारी देकर उनकी सही कीमत प्राप्त कर सकें। जिससे ई-पेमेन्ट के माध्यम से उपज को विक्रय कर उसकी सही राशि कृषकों को दी जाएगी। कृषक अपनी उपज को देश के किसी भी स्थान से एग्री व्यापार के माध्यम से विक्रय कर सकेंगे।एग्री व्यापार एप में कोई भी सहकारी समिति का सदस्य कृषक भाई अपना पंजीयन करा सकते है। इसके लिए एप में रजिस्ट्रेशन पेज पर अपना नाम, पता समिति सदस्य पंजीयन क्रमांक फसल एवं फसल प्रदाय का विवरण भरना होगा। संबंधित समिति द्वारा ऑनलाइन नीलामी के लिए जानकारी प्रेषित की जाएगी। इसके बाद व्यवसाई एवं अन्य खरीददार देश में कहीं से भी बोली लगा सकते है। उपज में नीलाम की राशि एसएमएस के माध्यम से किसानों के मोबाइल पर भेजी जाएगी।

राम रोटी संग्रह कार्य के माध्यम से गऊ शाला के लिये कर रहे रोटी एकत्रित

रिपोर्टर अमित शर्मा

ग्वालियर / युवा जनकल्याण सेवा समिति के सदस्यों द्वारा राम रोटी की मुहिम ग्वालियर में वार्ड नम्बर 7 से चालू की गई है जिसका उद्देश्य है कि प्रत्येक घर से दो दो रोटी का संग्रह कर रोटीयो एकत्रित करना उसके बाद उन रोटियों को लावारिस गऊ माता एवम गौशाला तक भिजवा कर स्वयं गौ माता को खिलाना यह प्रयास काफी लंबे समय से युवा जनकल्याण सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष नागेंद्र सिंह सिकरवार के सहयोग एवम मार्गदर्शन के माध्यम द्वारा किया जा रहा है उसके बाद उन रोटियों को गऊ माता को खिलाना जिसमे टीम कई सदस्य अपना प्रत्येक दिन 2 से 3 घण्टे दे रहे है युवाओं का सोचना है कि कही न कही हमारी पुरानी सभ्यता एवम पुराने रीति रिवाज कही न कही खो गए है जिसकी बजय से हम अपनी सभ्यता को खोते जा रहा है जहाँ एक ओर पहले देखा जाता था कि घर मे पहली बनी रोटी को हम गाय के निकलते थे और अन्त में बची हुई रोटी को हम कुत्तों के लिये बचा कर रखते थे लेकिन कही न कही यह प्राचीन चलन हमारे हिन्दू धर्म कही न कही खो गया जिसकी बजय से आज के समय में पहली और अंतिम रोटी भी स्वयं खा रहे जिसकी बजय से बहार घूम रही आवारा गऊ माता एवम जानवरो को भोजन नही मिल पा रहा है जिसकी बजय से युवा जनकल्याण सेवा समिति के सदस्यों ने इस मुहिम के माध्यम से फिर से लोगो के मन मे राम रोटी के माध्यम से प्राचीन सभ्यता को जगाने का प्रयास किया इस महत्वपूर्ण कार्य मे जो प्रतिदिन कार्य मे सहयोग कर रहे है टीम के सदस्य सतेंद्र राजावत, संतोष शर्मा, आशु राजावत, राज तोमर, अनुज आर्य, शौरभ, मनीष, कुणाल चंदेरिया यह वो सदस्य है जो प्रतिदिन अपना समय निकालकर निरंतर सेवा दे रहे है।

26 नवंबर से प्रारंभ हुआ जन जागरूकता अभियान निरंतर जारी

ग्वालियर। मानव अधिकार प्रोटेक्शन के तत्वधान में विगत 26 नवंबर से प्रारंभ हुआ जन जागरूकता अभियान निरंतर जारी

है। इसी क्रम में प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र झा के निर्देशन में रविवार को कुम्हरपुरा थाठीपुर पर अभियान चलाया गया जिसमें डीएसपी अजाक सीवीएस रघुबंशी शामिल हुए और उन्होंने वाहन चालकों से अपील की सड़क पर कोई भी घायल व्यक्ति मिले तो उसे हॉस्पिटल पहुंचाने की व्यवस्था करें हमारे एक कदम बढ़ाने से घायल की जान भी बस सकती है किसी व्यक्ति की जान बचाने से बड़ा कोई पुण्य संसार में नहीं है।

इस अवसर पर विधायक मुन्नालाल गोयल भी अभियान में शामिल हुए उन्होंने अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि वास्तविकता में यह मुहिम कारगर साबित होगी जिस तरीके से सड़क पर उतरकर मानव अधिकार प्रोटेक्शन की टीम लोगों को जागरूक कर रही हैं यह वाकई में काबिले तारीफ है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अनिल सिंह राजपूत,महिला मोर्चा अध्यक्ष शकुंतला तोमर रविदत्त शर्मा सहित विनय जैन पुष्प, किशोर बाथम, जागेश साहू, हरिओम प्रजापति, समीर हुसैन, समीर खरे, रवि प्रजापति, लोकेंद्र गुर्जर, राजीव श्रीवास, सुनील राठौर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478